B.A-I-(H)
PAPER-II

जनसंख्या विस्फोट एवं स्वास्थ्य
POPULATION EXPLOSION AND HEALTH

एक विशेष स्थान पर रहने वाले जीव अर्थात मनुष्य, जानवर, पशु-पक्षी आदि ही जनसंख्या का रूप है। थेकर तथा थेकर ने जनसंख्या को परिभाषित करते हुए कहा है कि, "एक विशेष समय में एक सीमांकित भौगोलिक क्षेत्र के अन्दर रहने वाले एक विशिष्ट वर्ग के सभी प्राणियों को जनसंख्या कहते है।"

जनसंख्यावर्धन एवं विस्फोट के कारण :-

(i) बालविवाह :- भारत जैसे देश में कम उम्र में शादी जनसंख्या वृद्धि का कारण है।

(ii) निर्धनता :- निर्धन या गरीब लोगों का मानना है कि अधिक बच्चे, अधिक आमदनी। गरीब लोग संतान को उपार्जन का साधन मानते हैं। यह भी जनसंख्या वृद्धि का कारण है।

(iii) शिक्षा की कमी :- शिक्षा की कमी अर्थात अज्ञानता भी जनसंख्या वृद्धि का एक कारण है। शिक्षा की कमी कारण जनसंख्या वृद्धि के दुष्परिणामों को नहीं समझ पाते।

(iv) धार्मिक विश्वास एवं अंधविश्वास :- धार्मिक विश्वास एवं अंधविश्वास, जैसे- बच्चे तो भगवान की देन है, परिवार नियोजन को पाप समझना जनसंख्या वृद्धि का कारण है।

(v) मृत्यु दर पर नियंत्रण :- मृत्यु दर में जन्म दर की अपेक्षा कमी होने से जनसंख्या में वृद्धि हुई है।

3. क्रो : — "सीखना व्यक्ति की प्रतिक्रिया करने के ढंग में परिवर्तन होनेवाली प्रक्रिया को कहते हैं। जो वातावरण के विविध पहलुओं के संपर्क में आने के फलस्वरूप होती है।"

4. आर्डन, नार्थ, स्ट्रेंज, चैपमैन : — "सीखने की परिभाषा व्यवहार के अनुभव या प्रयास के फलस्वरूप अपेक्षाकृत स्थायी परिवर्तन की प्रक्रिया के रूप में दी जा सकती है।"

5. वुडवर्थ एवं मार्क्विस : — "नए ज्ञान एवं नई प्रतिक्रियाओं को अर्जित करने की प्रक्रिया ही सीखने की प्रक्रिया है।"

6. मर्फी : — "सीखना व्यवहार के परिणाम-स्वरूप व्यवहार और प्रत्यक्षीकरण में कोई भी परिवर्तन है।"

7. गिलफोर्ड : — "हम इस शब्द की परिभाषा विस्तृत रूप में यह कहकर कर सकते हैं कि 'सीखना' व्यवहार के परिणाम-स्वरूप व्यवहार में कोई भी परिवर्तन है।"

8. गेट्स : — "सीखना एक क्रिया है जिसके द्वारा हम अपनी अनुक्रियाओं को नई आदतों में संगठित करते हैं।"

अगर हम परिभाषाओं पर ध्यान देते हैं तो सीखने को "विकास का एक प्रक्रिया" माना गया है।

Hrishi Kesh
Deptt - Psychology.
B.T.A.C. Rahika

Next day

(1)